विद्युत विभाग के कर्मचारी को सीने में मारी गोली

प्रेम नगर अंडर ब्रिज के निकट हुई घटना, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

नवभारत न्यूज

सतना, 11 दिसंबर. फौरी तौर पर अमूमन शांत नजर आने वाले शहर में कुछ चौंकाने वाली घटना घटनाएं सामने आ जाती हैं. ऐसी ही एक घटना गुरुवार की शाम उस वक्त सामने आई जब अपनी ड्यूटी समाप्त कर रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे एक कर्मचारी को अज्ञात व्यक्ति ने गोली मार दी. गोली मारने वाला व्यक्ति विकलांग था, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैहर जिले के अमदरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नौगवां निवासी रामनरेश बर्मन पिता सीताराम बर्मन उम्र 58 वर्ष विद्युत विभाग के कर्मचारी हैं. वे हर रोज अपने गांव से ट्रेन के जरिए सतना आते हैं और दिनभर काम पूरा करने के बाद शाम को वापस अपने घर लौट जाते हैं. इसी कड़ी में गुरुवार की शाम को भी कार्यालय का काम समाप्त करने के बाद वे प्रेम नगर स्थित विद्युत कार्यालय से निकले और पैदल ही रेलवे स्टेशन की ओर जाने लगे. बताया गया कि जैसे ही वे प्रेम नगर क्षेत्र में स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के निकट पहुंचे वैसे ही एक व्यक्ति अचानक उनके सामने आ गया. उस व्यक्ति ने देखते ही देखते अवने हाथ में लिए हुए कट्टे से

रामनरेश पर निशाना साध फायर कर दिया. कट्टे से निकली गोली का छर्रा सीधे रामनरेश के सीने में जा लगा. लेकिन घायल होने के बावजूद भी रामनरेश ने हिम्मत नहीं हारी और हमलावर को पकड़ लिया. रामनरेश से बचने के लिए हमलवार ने झूमाझटकी शुरु कर दी. इसी झूमाझटकी के दौरान रामनरेश ने भागने की कोशिश कर रहे हमलावर का पैर पकड़ लिया. लेकिन घबराकर भागने की कवायद में जहां हमलावर के हाथ का कट्टा नीचे गिर गया. वहीं उसका एक कृत्तिम पैर रामनरेश के हाथ में आ गया. जिसके बाद हमलावर लंगड़ाते हुए वहां से भाग निकला.

कट्टा-कृत्रिम पैर लेकर पहुंचे थाने

सीने में गोली लगने से घायल रामनरेश ने हिम्म्मत दिखाते हुए एक ओर जहां हमलावर से लोहा लिया. वहीं दूसरी ओर हमलावर के भाग जाने के बाद उसका कट्टा और कृतिम पैर लेकर वे कोतवाली थाना पहुंच गए. यह देख वहां पर मौजूद पुलिसकर्मियों के भी हाथ पैर फूल गए. आनन-फानन में रामनरेश को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया. जहां पर उन्हें भर्ती कर उपचार शुरु हुआ. चिकित्सक द्वारा रामनरेश की हालत खतरे से बाहर बताई गई. वहीं घटना के कुछ देर बाद सीएसपी देवेंद्र सिंह जिला अस्पताल पहुंच गए और रामनरेश से हमलावर के संबंध में पूछताछ की. कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 109 बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है.

एक ही परिवार के आधा दर्जन लोगों को फूड प्वाइजनिंग

रामपुर बाघेलान से मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर, उपचार जारी

नवभारत न्यूज

सतना, 11 दिसंबर. अभी छतरपुर में हुई फूड प्वाइजनिंग की घटना की दहशत कम भी नहीं होने पाई थी कि जिले के रामपुर बघेलान में भी एक ऐसा ही मामला सामने आ गया. फूड प्वाइजनिंग के शिकर एक ही परिवार के आधा दर्जन लोगों का उपचार मेडिकल कॉलेज रीवा में जारी है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र अ ंतर्गत लामी करही गांव के निवासी जितेंद्र दुबे के घर में गाय ने बछड़ा दिया था. गाय द्वारा बछड़ा दिए जाने के बाद निकलने वाले पहले दूध यानी तेली का सेवन परिवार के सभी 6 सदस्यों ने किया. लेकिन कुछ देर बाद ही उल्टी-दस्त की वजहसे सभी की तबियत बिगड़ने लगी. जिसे देखते हुए सभी लोगों को उपचार के लिए रामपुर बघेलान स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. जहां पर भर्ती कर सभी का उपचार शुरु हुआ. लेकिन उनकी हालत में सुधार आता न देख उन्हें आगे के उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रीवा रेफर कर दिया गया. जहां पर उन्हें भर्ती कर उपचार शुरु किया गया. बताया गया कि 24 घंटे तक जारी रहे उपचार के बाद परिवार के सभी सदस्य्य खतरे से बाहर निकल आए. लेकिन इसके बावजूद भी उनके स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जा रही है. वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा इस बात की जांच शुरु कर दी गई है कि परिजनों की हालत गंभीर होने के पीछे की वजह क्या थी.

जांच में 2 बच्चे मिले फाइलेरिया पॉजीटिव

अभियान के दूसरे दिन 81 प्रतिशत बच्चों की हुई जांच

नवभारत न्यूज

सतना, 11 दिसंबर. फाइलेरिया उन्मूलन अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए जा रहे टीएएस अभियान के दूसरे दिन की गई जांच में 2 बच्चे फाइलेरिया पॉजिटिव पाए गए.

सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला से प्राप्त जानकारी के अनुसार फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीएएस अभियान का आरंभ बुधवार को किया गया था. अभियान के पहले दिन बुधवार को क्यूफैट किट द्वारा 346 बच्चों का परीक्षण किया गया था. इस लिहाज से देखा जाए तो अभियान के पहले दिन 76 प्रतिशत बच्चों का परीक्षण किया गया था. वहीं अभियान के पहले दिन की गई जांच में कोई भी बच्चा फाइलेरिया पॉजिटिव नहीं पाया गया था. इसी कड़ी ममें अभियान के दूसरे दिन सतना-मैहर में कुल 590 बच्चों की जांच का लक्ष्य रखा गया था. जिसमें से कुल 482 बच्चों की जांच की की जा सकी. इस लिहाज से देखा जाए तो अभियान के दूसरे दिन निर्धारित लक्ष की तुलना में 81.2 प्रतिशत बच्चों की जांच की गई. उक्त जांच में एक ओर जहां 480 बच्चों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई. वहीं दूसरी ओर 2 बच्चे पॉजिटिव पाए गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार दो अलग अलग स्थानों पर स्थित प्राथमिक शाला में अध्ययरत कक्षा 2 के एक छात्र और एक छात्रा को पॉजिटिव पाया गया.

मैहर पुलिस ने 14 दलालों को दबोचा, दर्शनार्थियों को कर रहे थे परेशान

नवभारत न्यूज

सतना, 11 दिसंबर. मैहर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए एक ओर जहां 14 दलालों को गिरफ्तार कर लिया वहीं दूसरी ओर उनकी बाइक को भी जब्त कर लिया गया.

थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं को परेशान करने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं. जिसे संज्ञान में लेते हुए कोतवाली और मैहर देवी चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार की सुबह-सुबह मां शारदा देवी मार्ग पर दबिश दी. रास्ते में वाहनों को रोककर श्रद्शालुओं को झांसा देते हुए अपनी-अपनी दुकानों तक ले जाने और फिर प्रसाद के नाम पर मनमानी वसूली करने वाले कुल 14 दलालों को पुलिस ने दबोच लिया. इसके साथ ही दलालों को दोपहिया वाहन भी जब्त कर लिए गए. मां शारदा मंदिर परिसर में मौजूद प्रसाद दुकान संचालकों द्वारा एक ओर जहां अप्रत्यक्ष तौर पर आटो चालकों के माध्यम श्रद्धालुओं से मनमानी वसूली की जाती है. रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड पर मौजूद आटो चालक श्रद्धालुओं को सीधे अपनी अनुबंधित दुकानों तक पहुंचा देते हैं. वहीं दूसरी ओर आधा सैकड़ा से अधिक ऐसे दलाल हैं जो बाइक पर घूमते हुए श्रद्धालुओं के वाहन रोक लेते हैं और उन्हें जबरदस्ती अपनी दुकानों तक ले जाते हैं. जिसके बाद प्रसाद के नाम पर श्रद्धालुओं के साथ मनमानी वसूली की जाती है. इतना ही नहीं बल्कि यदि किसी श्रद्धालु द्वारा आपत्ति जताई जाती है तो दुकान संचालक और दलाल उनके साथ मारपीट करने पर भी उतारु हो जाते हैं. हलांकि यह समस्या पिछले कई दशकों से चलती आ रही है और समय समय पर पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्रवाई भी की जाती है. लेकिन इसके बावजूद भी मैहर मंदिर परिसर में प्रसाद दुकान संचालकों की मनमानी वसूली पर पूरी तरह लगाम नहीं लग सकी है.

स्मार्ट फोन में डूबे अभिभावकों को जगाने निकले ज्ञानसागर स्कूल के मासूम

नवभारत न्यूज

सतना, 11 दिसम्बर. वर्तमान समय में मोबाइल फोन की बढ़ती लत से बच्चों और परिजनों के बीच बातचीत कम होने लगी है। यह दोनों के बीच अदृश्य दीवार बन गया है।

बड़ों में मोबाइल का बढ़ता उपयोग अब समाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर चित्रकूट के ग्राम पंचायत पालदेव के पौसलहा गांव स्थित नवीन सरस्वती ज्ञान सागर स्कूल ने एक अनोखी पहल की है। स्कूल में प्रार्थना के समय कई अभिभावक मोबाइल में व्यस्त दिखे, तो नन्हें बच्चों ने तख्तियों पर संदेश लिखकर उन्हें जागरूक करने की कोशिश की। बच्चों ने पोस्टरों पर लिखा- %मम्मी-पापा! जैसा हमें बनाएंगे, हम वैसा ही बनेंगेज मोबाइल छोड़कर हमारा साथ दीजिए। यह मासूम अपील गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसके साथ ही समाज में तेजी से बढ़ती डिजिटल दूरी पर करारा संदेश भी देती है। शिक्षक अशोक के मुताबिक, पहले माता-पिता बच्चों को

कहानियों, लोरियों और संवाद के माध्यम से सीख देते थे। लेकिन मोबाइल ने रिश्तों में दूरी बढ़ा दी है। अब मोबाइल की व्यस्तता ने रिश्ते की गर्माहट को कम कर दिया है।

बच्चों के अनुसार उन्हें माता-पिता की उपस्थिति और संवाद की जरूरत है, न कि सिर्फ उनकी कमाई या सुविधाओं की। वहीं स्कूल के प्रधानाध्यापक विद्या सागर पटेल ने बताया कि हाल की अर्धवार्षिक परीक्षा में कमजोर प्रदर्शन के बाद समीक्षा की गई, तो पता चला कि बच्चों और अभिभावकों दोनों में मोबाइल की लत बढ़ रही है। इसी वजह से स्कूल ने यह जागरूकता अभियान शुरू किया।

स्कूल की अनोखी पहल

यह पहल गांव में सराही जा रही है और अभिभावकों ने इसे एक सकारात्मक संदेश के रूप में स्वीकार भी किया है। बच्चों की यह भावनात्मक मुहिम परिवारों को यह सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या मोबाइल स्क्रीन, मासूमों की मुस्कान से ज्यादा जरूरी हो गई है?